**आदेश 21, नियम 2 (2), सि. प्र. सं. के अधीन आवेदन पत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

आवेदक अति सादरपूर्वक निवेदन करता है

1. यह कि बतौर खर्च........ रुपये के साथ-साथ .......... रुपये का भुगतान हेतु एक डिक्री वाद सं..............सन्.........में आवेदक के विरुद्ध इस आदरणीय न्यायालय द्वारा पारित की गयी जो ........... वादी बनाम............प्रतिवादी के बीच तारीख............... को डिक्रीत हुई।
2. यह कि संपूर्ण डिक्रीत रकम.................रुपये है।
3. यह कि संपूर्ण डिक्रीत रकम मे से वादी ने डिक्री के आंशिक तुष्टि में न्यायालय के बाहर डिक्रीदार को........... रुपये का संदाय कर चुका है और उस डिक्रीदार से उसके लिए एक सम्यक् रूप में हस्ताक्षरित रसीद प्राप्त कर चुका है जिसको इसके साथ संलग्न किया जाता है और उपाबंधक-1 के रूप में चिन्हांकित किया जाता है।
4. यह कि डिक्रीदार ने यहाँ तक इस आदरणीय न्यायालय में आवेदक द्वारा उसको किये गये भुगतान को प्रमाणित नहीं किया है।

**प्रार्थना**

अतएव यह अति सादरपूर्वक प्रार्थना की जाती है कि यह आदरणीय न्यायालय इस बारे में कारण दर्शाने के लिए डिक्रीदार को नोटिस जारी करने की कृपा कर कि क्यों भगतान यथा प्रमाणित अभिलिखित रिक्त नहीं किया जाना चाहिए। यह तद्नुसार प्रार्थना की जाती है।

**आवेदक**

**जरिये**

**अधिवक्ता**

**स्थान.........**

**तारीख.........**